श्री महादेव स्तुतिः (ब्रह्मादिदेव कृतं)

श्री महादेव स्तुतिः (ब्रह्मादिदेव कृतं)

देवा ऊचुः –
नमो भवाय शर्वाय रुद्राय वरदाय च |
पशूनां पतये नित्यमुग्राय च कपर्दिने || 1 ||

महादेवाय भीमाय त्र्यंबकाय विशांपते |
ईश्वराय भगघ्नाय नमस्त्वंधकघातिने || 2 ||

नीलग्रीवाय भीमाय वेधसां पतये नमः |
कुमारशत्रुविघ्नाय कुमारजननाय च || 3 ||

विलोहिताय धूम्राय धराय क्रथनाय च |
नित्यं नीलशिखंडाय शूलिने दिव्यशालिने || 4 ||

उरगाय सुनेत्राय हिरण्यवसुरेतसे |
अचिंत्यायांबिकाभर्त्रे सर्वदेवस्तुताय च || 5 ||

वृषध्वजाय चंडाय जटिने ब्रह्मचारिणे |
तप्यमानाय सलिले ब्रह्मण्यायाजिताय च || 6 ||

विश्वात्मने विश्वसृजे विश्वमावृत्य तिष्ठते |
नमोऽस्तु दिव्यसेव्याय प्रभवे सर्वसंपदां || 7 ||

अभिगम्याय काम्याय सव्यापाराय सर्वदा |
भक्तानुकंपिने तुभ्यं दिश मे जन्मनो गतिं || 8 ||

इति श्रीमत्स्यपुराणे ब्रह्मादिदेवकृत महादेवस्तुतिः |